अत्याधुनिक नवीनतम तकनीक से सुसज्जित होगी गंगा एक्सप्रेसवे, यूपीडा ने ईटीएच - स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिख और आरटीडीटी लैबोरेट्रीज एजी के साथ ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए

लखनऊ, 10 जून 2024 सोमवार : उत्तर प्रदेश में यातायात की दृष्टि से महत्वपूर्ण मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे को अत्याधुनिक नवीनतम तकनीक से सुसज्जित कर यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) एवं विश्व के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक ETH- स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिख तथा आरटीडीटी लेबोरेटरीज एजी (ETH की स्पिन-ऑफ कंपनी) के मध्य 8 जून 2024 को दो MoU (सहमति पत्र) हस्ताक्षरित किये गए।

इस अवसर पर श्री मनोज कुमार सिंह कृषि उत्पादन आयुक्त, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त,चेयरमैन /मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीडा एवं अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश ने कहा कि, मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण बेहतर कार्य कर रहा है । उत्तर प्रदेश सरकार एवं ETH ज्यूरिख के मध्य हुआ यह MoU समझौता उसी प्रयास का एक हिस्सा है । ETH ज्यूरिख और आरटीडीटी लेबोरेटरीज एजी के साथ हुए इन समझौतों के तहत किया जाने वाला काम आगामी गंगा एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता तथा मार्गों को बेहतर बनाने व अन्य सुविधाओं के आकलन में गेम चेंजर साबित होगा। विश्व के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक ETH ज्यूरिख (आरटीडीटी लेबोरेटरीज एजी) एक्सप्रेसवेज की गुणवत्ता की पहचान कर सुधारात्मक कार्रवाई करने में यूपीडा का सहयोग करेगा।

उन्होंने कहा कि, "इस पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के उपरांत हम इस तकनीक को उत्तर प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवेज पर लागू करने की योजना बना रहे हैं, जिससे इन एक्सप्रेसवेज का उपयोग करने वाले लाखों उपभोक्ताओं को लाभ होगा।"

ETH ज्यूरिख के स्ट्रक्चरल मैकेनिक्स की अध्यक्ष, प्रोफेसर डॉ. एलेनी चैट्ज़ी ने कहा कि, “हमें उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के साथ सहभागिता करके ख़ुशी हो रही है। हम हमेशा नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके गुणवत्तापूर्ण वितरण पर जोर देते हैं और हमें यह जानकर खुशी हो रही है कि उत्तर प्रदेश अपने एक्सप्रेसवे में इस तकनीक को लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। हम यह आशा करते हैं कि इस सहयोग से समग्र उद्देश्यों को संतोषजनक ढंग से पूरा किया जा सकेगा।

जनवरी 2024 में दावोस, स्वीट्जरलैंड में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में उत्तर प्रदेश द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर श्री मनोज कुमार सिंह कृषि उत्पादन आयुक्त, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त,चेयरमैन /मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीडा एवं अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश ने ETH ज्यूरिख और आरटीडीटी के प्रतिनिधियों के साथ नवीनतम तकनीकों का अवलोकन किया, जिन्हें उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे में लागू किया जा सकता है।

स्वीट्जरलैंड ki दावोस में जनवरी में हुई बैठक के उपरांत ETH ज्यूरिख और आरटीडीटी प्रयोगशाला के प्रतिनिधियों ने 19 फरवरी 2024 को उत्तर प्रदेश में आयोजित GBC4.0 प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया तथा भारत के माननीय प्रधान मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी के सामने अपनी एयरो सेंस तकनीक और एआई सेंसर मॉड्यूल का प्रदर्शन किया।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के इंजीनियरों की एक टीम द्वारा 24-29 मार्च 2024 तक ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड और जर्मनी का दौरा कर मोटरवे/राजमार्ग/राजमार्गों के निर्माण के लिए राष्ट्रीय सड़क अवसंरचना/मोटरवे, नई प्रौद्योगिकियों, नई सामग्री और कंसल्टेंट/कॉन्ट्रेक्टर्स के दृष्टिकोण का गंगा एक्सप्रेस-वे में संरचनाएं/सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियंत्रण प्रणाली लागू करने के उद्देश्य से अध्ययन किया गया।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) उत्तर प्रदेश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे - गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहा है जो मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर तक फैला है। निर्माण के बाद इस एक्सप्रेसवे से गुजरने वाले जिलों के परिदृश्य को बदल देगा तथा 2027-2028 तक उत्तर प्रदेश के वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य की प्राप्ति में एवं औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास में एक बड़ा योगदान देगा।